11:00
20/07/21

Date
Page 24

1. अतिथि तुम कब जाओगे पाठ का मूल उद्देश्य क्या है? अपने भाषा में गृहकर्म कॉपी में उत्तर लिखिए।

उत्तर → अतिथि तुम कब जाओगे पाठ में लेखक शरद जोशी ने ऐसे लोगों पर व्यंग्य किया है, जो दूसरों के घरों में अतिथि के रूप में जाते हैं। परंतु बहुत समय तक वहाँ से निकलते नहीं हैं। यह पाठ व्यंग्यात्मक शैली में लिखा गया है। लेखक ने व्यंग्य-व्यंग्य में लोगों को समझाने का प्रयास किया है। हमें पता है कि अतिथि देवता होता है लेकिन जो अतिथि अपने जरूरत से ज्यादा दिनों तक किसी के घर में टिक जाता है तो उसका देवत्व मिटने लगता है और वो धीरे-धीरे राक्षस प्रतीत होने लगता है। इस पाठ में लेखक अतिथि को पहले दिन बहुत प्यार और आदर सत्कार करता है लेकिन अतिथि के ज्यादा दिनों तक टिकने की वजह से लेखक को अच्छा नहीं लगता इसलिए वो चाहते हैं कि अतिथि जल्दी से जल्दी वापस अपने घर लौट जाए।